मेरी किताब

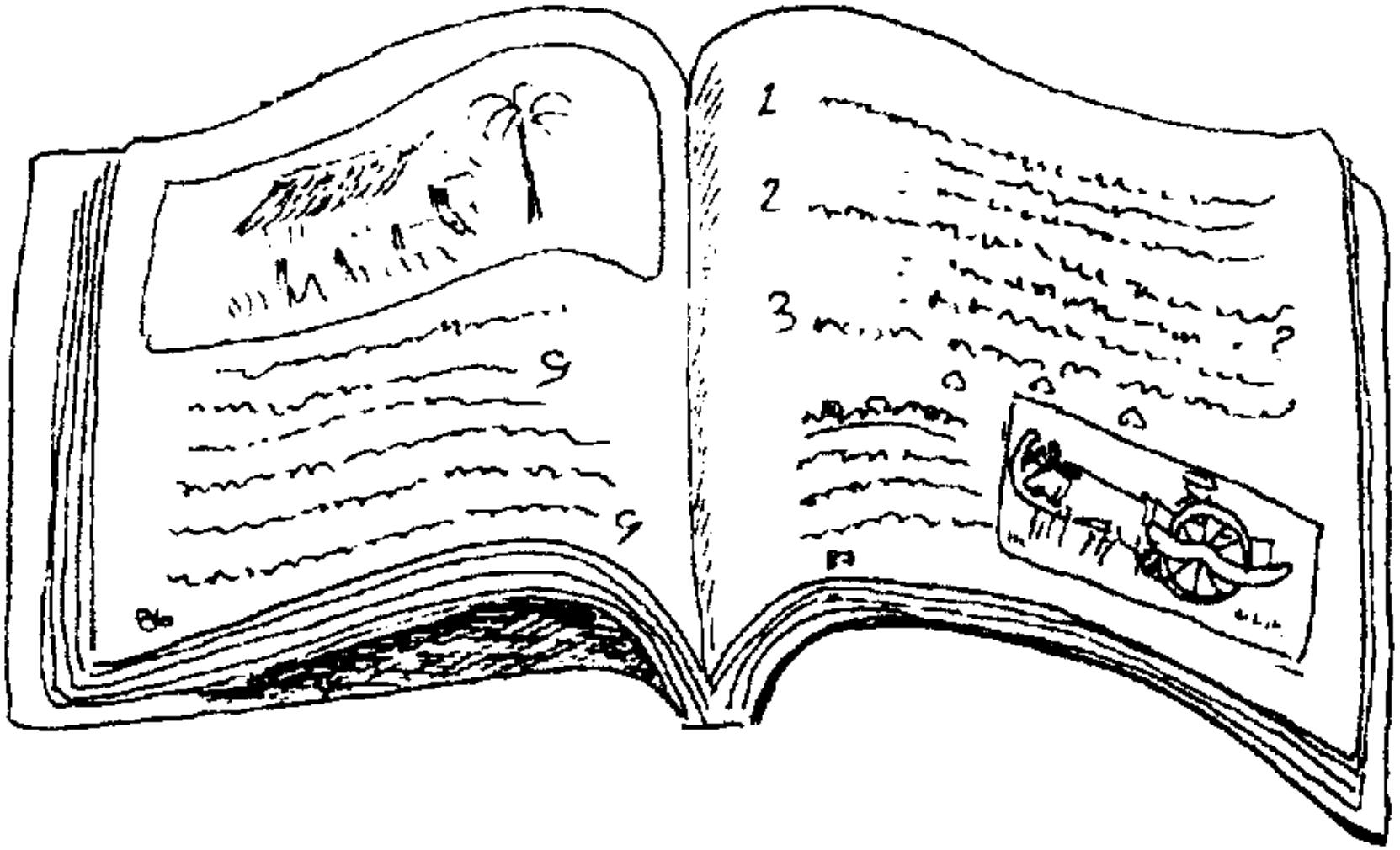

मेरी किताब

Bangani
uttarkashi, uttrakhand, india

Copyright © 2025, NLCI

For permission to reuse, contact the copyright holder.

Big book in Bangani language
Community based Book

परकाशण:-
NLCI
बंगाणी मसी समिति समू

This book is an adaptation of the original, *मेरी किताब*, Copyright © 2023, NLCI. Licensed under CC BY 4.0.

दो बात

यह किताब बंगाणी भाषा में बनायी गयी है। इस किताब में एक कहानी है जिसे 8-10 पेजों में बनाया गया है और हर पेज में लगभग 5-6 शब्द का एक वाक्य है। इस किताब में हर एक वाक्य के अनुसार चित्र भी डाला गया है। इन चित्रों के आधार से पढ़ने वाला कहानी बता सकता है और पढ़ाने वाला कहानी सुना सकता है। इस पुस्तक का उपयोग साक्षरता कार्यक्रम में किया जाता है। यह किताब बढ़े ही आसान और बहुत ही कम शब्दों में और बहुत सरल रीति से बनायी गयी है। ताकी जो लोग पढ़ने की सुरूआती स्तर में हैं वह आसानी से इस कहानी को अपनी अपनी मातृ-भाषा में पढ़के आसानी से समझ सकें और अपनी मातृ-भाषा में पढ़ने और लिखने का प्रयास कर सकें।

॥धन्यवाद॥

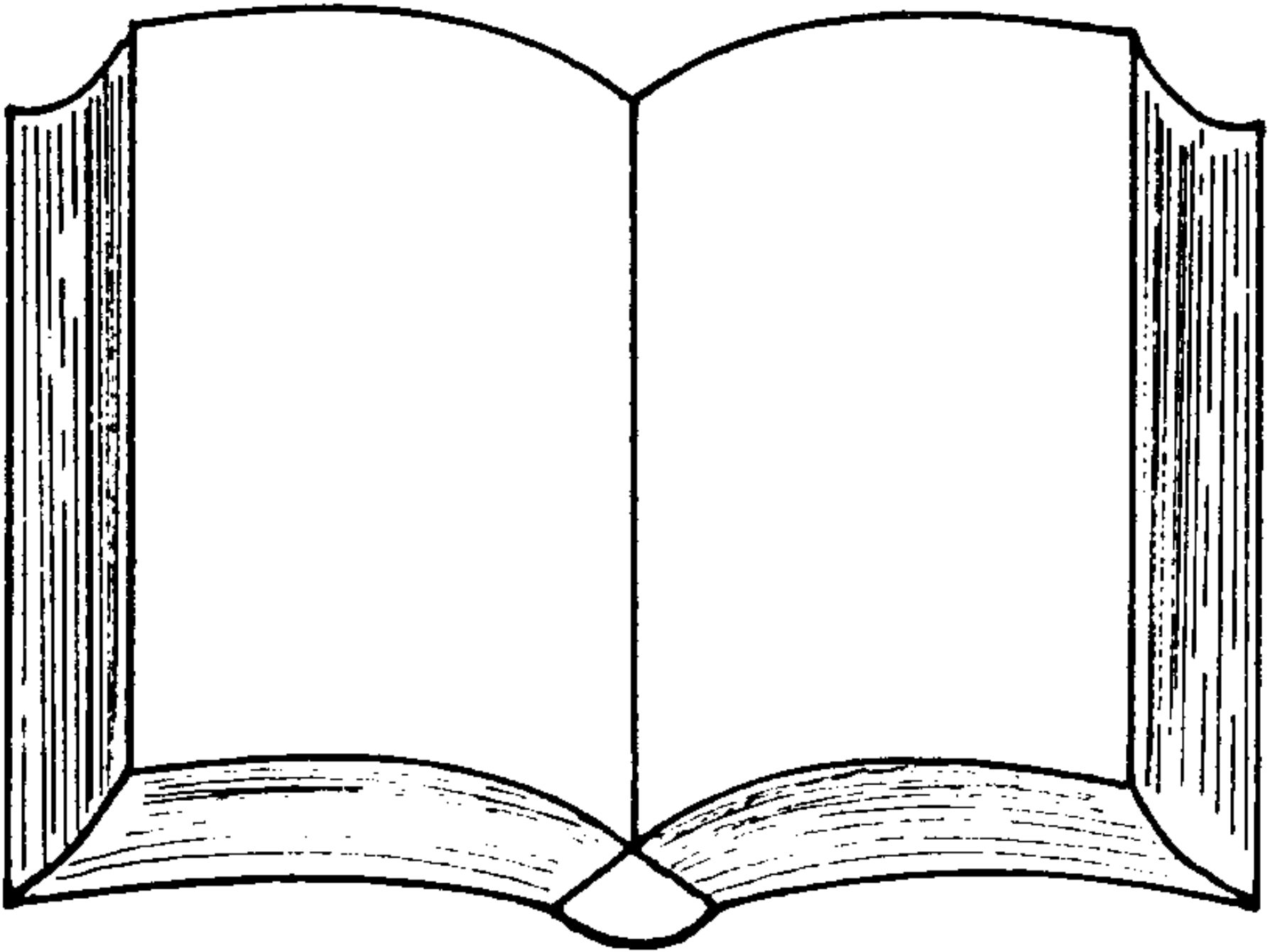

मुकै एक किताब।

आउँ तीं रोज़ पढ़ूं।

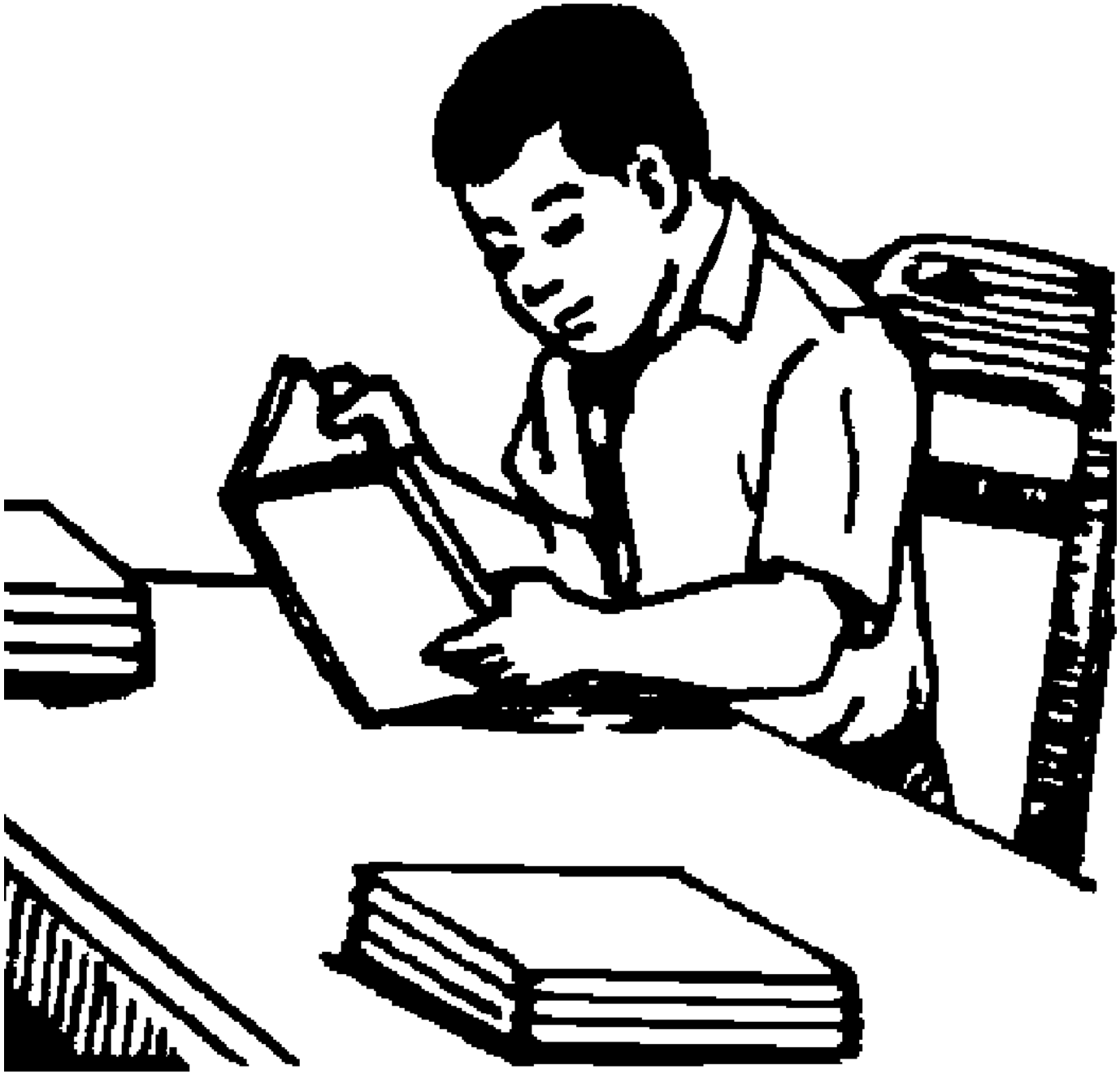

किताब मुं ज्ञानी चाणै।

किताब मेरी
बौड़िया दोस्त।

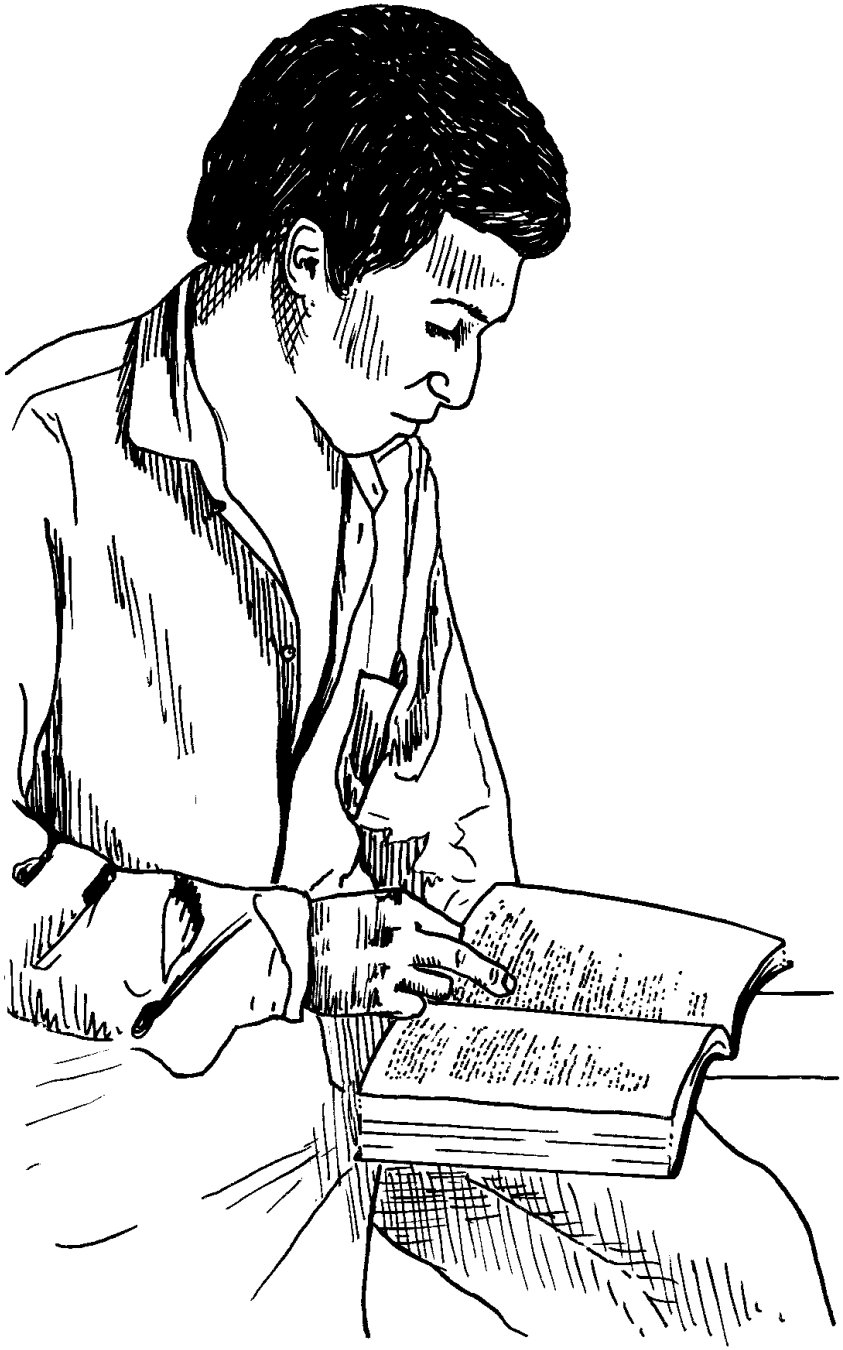

मुंकै आपड़ी किताब बौड़िया लागै।

आउँ तीं गिणियौ
पौड़दै डेउ।

किताबी कौइ
आउँ नौइ नौइ बुशै
शिकू।

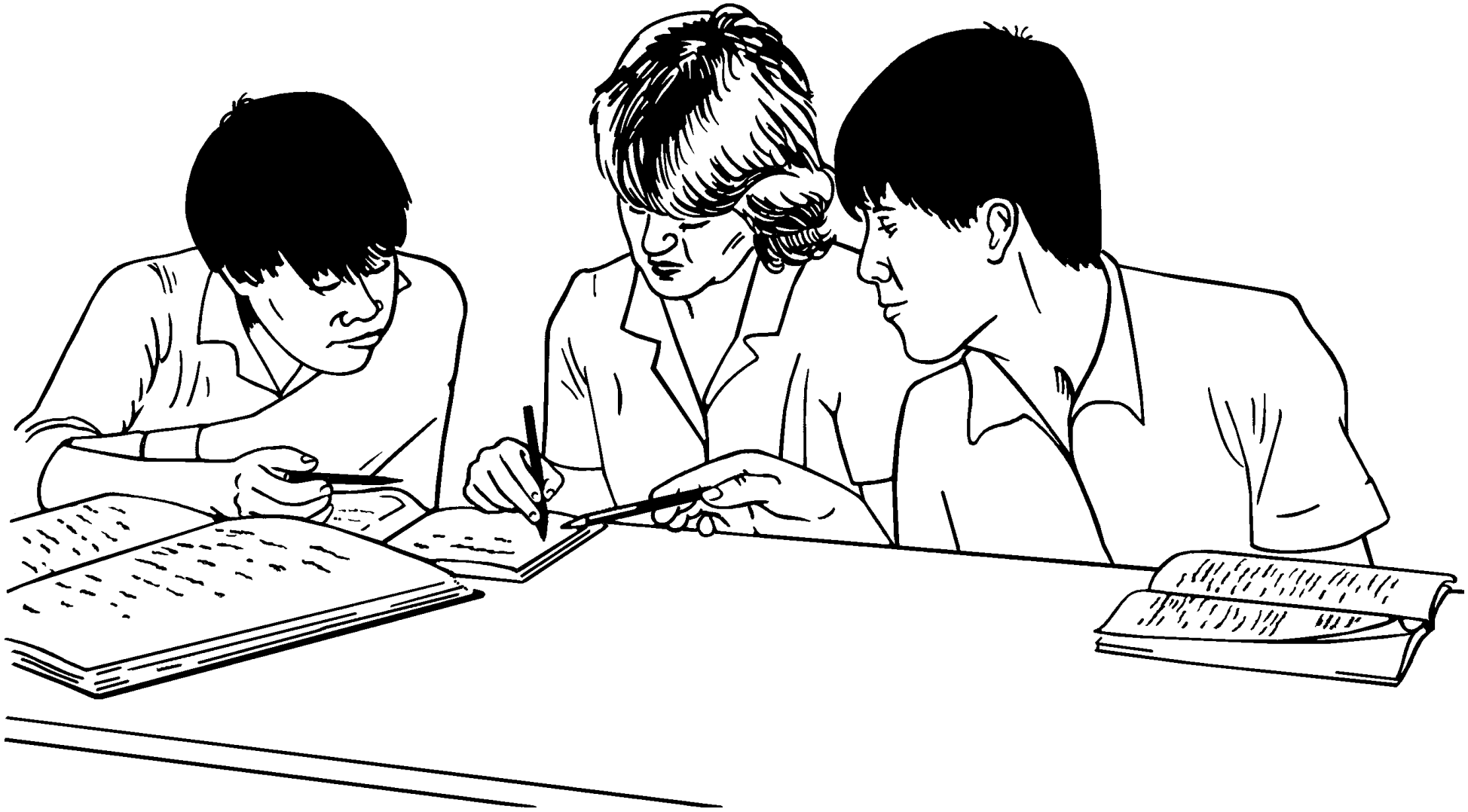

आमुं अलग अलग किताब पौड़नी च़ाइं।

किताब पौड़णी बौड़िया आदत औयै।

आमुं बी किताब लिखणी च़ाइं।

यह किताब NLCI के द्वारा तैयार की गई है।

हम मात्रभाषा में साक्षरता कार्यक्रम करते है। जिसके अन्तर्गत हम अपने क्षेत्र में अलग अलग भागो में शिक्षा देते है। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि, हमारे क्षेत्र के असाक्षर लोग और बच्चे साक्षर हो सके। और पढ़ लिख कर अपने समाज का विकास कर सके।

हम जानते है कि हमारे क्षेत्र के अधिकतम लोग बोल-चाल में हो या काम-काज में हर स्थान पर अपनी मात्रभाषा का उपयोग करते है। इसलिए हम अपने क्षेत्र के लोगो के लिए जो भी पाठ्य सामग्री तैयार करते है। उसे उन्ही की मात्रभाषा में तैयार करते है। जिससे उन्हे पढ़ने और लिखने में आसानी हो और वो जल्दी ही पढ़ना और लिखना सीख सकें।

हम अपनी संस्था में साक्षरता के द्वारा मात्रभाषा में वयस्क शिक्षक ही नही चलाते बल्कि, अपने क्षेत्र में पढ़े-लिखे लोगो के लिये तथा बच्चो के लिये भी अलग-अलग तरह की पाठ्य सामग्री भी उन्ही की मात्रभाषा में उपलब्द करातें है। जिससे की बच्चे अपने बचपन से ही अपनी मात्रभाषा को महत्व दें जिससे हमारी भाषा लुप्त ना हो। हम प्रार्थना करते हैं कि हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़ लिख सकें ओर हमारे क्षेत्र का और अधिक विकास हो सकें।

,,,,,,,,,,धन्यवाद,,,,,,,,,

Made with Bloom